<u>अटल टिंकरिंग लैब के शुभारंभ के अवसर पर भाषण</u>

दिनांक - 20 फरवरी, 2020

(स्थल – आदर्श विद्या मंदिर, नैनवा रोड, बून्दी)

आज आप सबके बीच आदर्श विद्या मंदिर के प्रांगण में 'अटल टिंकरिंग लैब" के उद्घाटन समारोह में उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

मेरे निर्वाचन क्षेत्र के इस विद्यालय का 'अटल इनोवेशन मिशन' के तहत 'अटल टिंकरिंग लैब' के लिए चयनित होना अत्यंत गर्व का विषय है। वर्तमान में इस विद्यालय में लगभग साढे सात सौ छात्र अध्ययनरत हैं। अब इन छात्रों के सामने ज्ञान की नई खिड़की खुलने वाली है।

हम सब जानते हैं कि दुनिया को अगर प्रगति के मार्ग पर लाना है तो स्कूल और कॉलेजों में विज्ञान और तकनीक की पढ़ाई नए तरीके से कराया जाना बेहद जरूरी है। इसी मकसद से नीति आयोग द्वारा अटल नवाचार मिशन के तहत अटल टिंकरिंग लैब की शुरूआत की गई है। टिंकरिंग का अर्थ है एक नए आइडिया से कुछ नया बना देना। यह लैब योजना बच्चों में क्रिएटिविटी पैदा करने के उद्देश्य से बनाई गई है। स्कूल में बच्चों को लैब में समय मिलेगा और विज्ञान तथा तकनीक में रूचि रखने वाले बच्चे इस लैब में अपनी क्रिएटिविटी को आजमाएंगे।

जैसा कि आप जानते हैं कि नीति आयोग के अनुसार, यदि भारत को अगले तीन दशकों में निरंतर 9 से 10 प्रतिशत विकास दर कायम रखनी है तो यह अत्यंत आवश्यक होगा कि देश की तीव्र प्रगति के लिए हमें नए आइडियाज की, नई तकनीक की आवश्यकता होगी।

नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन, विशेषकर अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला के बल पर लाखों की संख्या में बाल अन्वेषकों को तैयार करने में मदद मिलेगी, जो युवा उद्यमियों के रूप में विकसित होंगे और भारत का अभूतपूर्व विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

आज के नौनिहाल हमारे देश के भविष्य हैं। इनमें वैज्ञानिक सोच का विकास करना और उन्हें 'आउट आफ द बाक्स' सोचने के लिए प्रेरित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। कहा गया है कि सफल व्यक्ति हमसे अलग नहीं होते, बल्कि उनकी सोच अलग होती है। वे नए ढंग से और कुछ अलग करने की सोचते हैं।

एक शिक्षक और समाज के तौर पर हमें नई सोच का हमेशा स्वागत करना चाहिए और विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं, उनकी ऊर्जा एवं संकल्प को प्रोत्साहन देना चाहिए।

जहां तक कि 'अटल टिंकरिंग लैब' का संबंध है, इसका मुख्य उद्देश्य है कि छात्र किताबी ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक तरीके से पढाई कर सकें। वे विज्ञान और गणित आदि की अवधारणाओं को प्रायोगिक रूप से सीख और समझ सकें। यह लैब आधुनिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ सिद्ध हो सकता है।

नीति आयोग द्वारा 'अटल नवाचार मिशन (AIM)' के तहत 'अटल टिंकरिंग लैब (ATL)' की स्थापना के लिये स्कूलों का चयन किया जाता है। आपके विद्यालय ने इसके लिए निर्धारित मानदंडों को सफलतापूर्वक पूरा किया, इसके लिए विद्यालय प्रबंधन व विद्यार्थीगण सभी विशेष बधाई के पात्र हैं।

मित्रो, भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा अत्यंत मूल्यवान है। राष्ट्र निर्माण के लिए हम सभी नागरिकों का परम कर्तव्य है कि हम शिक्षा की इस केन्द्रीय भूमिका को समझें। आज रोटी, कपड़ा और मकान के समान ही शिक्षा भी जीवन की एक बुनियादी आवश्यकता बन गई है।

शिक्षा एक ऐसा शक्तिशाली हथियार है जो व्यक्ति को न केवल शैक्षिक कौशल प्रदान करता है बल्कि उसे जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करता है। शिक्षा व्यक्ति को ऐसे ज्ञान एवं नवीन कौशलों के अर्जन का सामर्थ्य प्रदान करती है जो एक बेहतर और समृद्ध जीवन के लिए अनिवार्य होते हैं।

शिक्षा हमारे भीतर की क्षमताओं को उजागर करने में सहायता करती है। यह हमारी क्षमताओं को एक ऐसी शक्ति में रूपांतरित करती है जो अज्ञान के अंधेरे को दूर कर ज्ञान के प्रकाश को फैलाती है। शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों और व्यापक अर्थों में समाज को अत्यधिक सम्मान प्राप्त होता है। इससे राष्ट्र के साझे लोकाचार एवं मूल्यों को आत्मसात करने और प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलता है।

साथियो, कहा जाता है कि "एक बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है।" यदि बच्चों को शुरू से ही वैज्ञानिक सोच के साथ ज्ञानार्जन के लिए प्रेरित किया जाए अर्थात् उनके कोरे मन पर वैज्ञानिक सोच की छाप छोड़ी जाए तो निश्चय ही बड़ा होकर विज्ञान के क्षेत्र में उम्दा कार्य कर सकते हैं।

डॉ. राधाकृष्णन ने एक बार कहा था कि 'हमें वैसी ही शिक्षा प्रदान करनी चाहिए जैसा समाज हम बनाना चाहते हैं।' मुझे विश्वास है कि देश भर में चयनित विद्यालयों में से ऐसी प्रतिभाएं निकलेंगी जो सूचना और प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं अन्य संबद्ध क्षेत्रों में नवोन्मेष करके भारत ही नहीं विश्व के कल्याण के लिए कार्य करेंगे।

अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी काफी नवोन्मेष हो सकते हैं। यदि हम विद्यालय स्तर पर बच्चों में हमारे सौरमंडल, अंतरिक्ष आदि के विषय में जिज्ञासाएं जगाते हैं तो निश्चय ही हम इन्हीं बच्चों में से अगला अब्दुल कलाम, कल्पना चावला, सुनीता विलियम्स, आइंसटीन एवं न्यूटन पा सकते हैं।

वास्तव में अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला की स्थापना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को ऐसा कौशल प्रदान करना और उन्हें उस प्रौद्योगिकी तक पहुँच प्रदान करना है जो उन्हें समाधान प्रस्तुत करने में सक्षम बनाएगी। इन प्रयोगशालाओं का लक्ष्य 500 समुदायों और स्कूलों में ढाई लाख युवाओं को भविष्य के लिये अभिनव कौशल प्रदान करना है।

नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन, विशेषकर अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला के बल पर लाखों की संख्या में बाल अन्वेषकों को तैयार करने में मदद मिलेगी, जो युवा उद्यमियों के रूप में विकसित होंगे और भारत का अभूतपूर्व विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

ये ATLs इन विद्यार्थी अन्वेषकों के लिये नवाचार हब (केंद्र) के रूप में कार्य करेंगी जिससे उन्हें उन अनूठी स्थानीय समस्याओं का भी समाधान ढूंढने में आसानी होगी जिनका सामना उन्हें अपने दैनिक जीवन में करना पड़ता है। यहां उपस्थित बच्चों के खिले चेहरे देखकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। उनके अभिभावकों के मन में भी हर्ष की भावना है।

वे चाहते हैं कि उनके बच्चे उनका नाम रौशन करें। यह अवसर अब उन्हें विद्यालय द्वारा दिया जाने वाला है जब वे लैब में सक्रियता दिखाएंगे।

अंत में, मैं विद्या भारती शिक्षा संस्थान, बून्दी के प्रबंधन का आभारी हूँ कि उन्होंने आदर्श विद्या मंदिर, बून्दी में आयोजित इस उद्घाटन कार्यक्रम में मुझे सम्मिलित होने और आप सबसे जुडने का अवसर प्रदान किया। मैं इस अटल टिंकरिंग लैब के अत्यन्त उपयोगी होने की कामना करते हुए इसका सहर्ष उद्घाटन करता हूँ।